संस्कृत सामान्य
विषय कोड – 512
कक्षा – 10वीं

सैद्धांतिक अंक – 75 कुल अंक – 100

प्रायोजना अंक – 25 (75+25)

क्र.	इकाई/पाठ	आबंटिक अंक	आबंटित कालखण्ड
अ – व्याकरण खण्ड			
1.	शब्द, रूप , संख्या	04	15
2.	धातुरूप , अव्यय	05	20
3.	संधि	03	10
4.	समास	03	10
5.	प्रत्यय (कृदन्त, तद्धित)	03	10
6.	कारक धारित अनुवाद वाक्य भाुद्धिकरण	05	15
7.	वाच्य उपसर्ग	03	10
8.	अपठित गद्यां ा पत्र लेखन (4+4)	08	15
9.	निबंध रचना	06	15
ब – पाठ्यपुस्तक (श्यामला)			
10.	1. वार्तालापः – संवाद पाठः 2. लोष्ठश्रृगालयोः मित्रता – लोककथाः गद्यपाठः 3. क्रियाकारककुतुहलम् – पद्यपाठः 4. बिलासा – गद्यपाठः – गद्यपाठः 5. यक्षयुधिष्ठिरसंवादः – पद्यपाठः 6. प्राणेभ्योऽपि प्रियः सुह्रद् – संवादगद्यपाठः 7. सुभाषितानि – पद्यपाठः 8. स्वामी आत्मानंदः – गद्यपाठः 9. ओदनं सूक्तम् – पद्यपाठः 10. परिवारः लघु एवं वरम् – संवादपाठः 11. विचित्रः साक्षी – गद्यपाठः 12. हेमन्तवर्णनम् – पद्यपाठः 13. यात्रामंगलं प्रति – गद्यपाठः 14. व्याकरण खण्ड	1. गद्यांश –06 2. पद्यांश –06 3. प्रश्नोत्तर–08 4. सुभाषित–05 5. सूक्ति– 04 6. वस्तुनिष्ठ–06	60
	योग	75	180
स – प्रायोजना कार्य		25	24
	महायोग	100	204

संस्कृत सामान्य
कक्षा–10वीं
विषय कोड – (512)

समय : 03 घण्टा | पूर्णांक – 75

इकाई क्रमांक	विषय सामग्री	आबंटित अंक	कालखण्ड
(अ) व्याकरण खण्ड			
1.	**शब्द रूप** 1. अजन्त :– जनक, कवि, शिशु, सखि, प्रीति, कुमारी, पुत्री, स्वसृ, ज्ञान, द्वार, उदर। 2. हलन्त :– भवत् विद्वस्, सरित्, जगत्। 3. सर्वनाम :– अस्मद्, युष्मद्, यत्, तद्, किम्। 4. संख्यावाची :– 101 से 150 तक	04	15
2.	**धातुरूप एवं अव्यय** वृत्, रुच्, नृत्, क्रुध्, लिख् मिल्, कृ, कथ्, भक्ष्। (प्रचलित पाँच लकारों में) अव्यय परिचय, पहचान एवं प्रयोग।	05	20
3.	**सन्धि** 1. व्यंजन सन्धि – अनुस्वार, परसवर्ण और जश्त्व। 2. विसर्ग सन्धि – उत्व, सत्व, रुत्व, लोप।	03	10
4.	**समास** समास एवं समास के भेद।	03	10
5.	**प्रत्यय** 1. कृदन्त :– शतृ, शानच्, क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्। 2. तद्धित :– त्व, तल्, ठक्, स्त्री प्रत्यय (टाप्, ङीप्)	03	10
6.	**(अ) कारक प्रकरण** उपपदविभक्तियों का प्रयोग (विशेषविभक्ति प्रयोग) 1. द्वितीया विभक्ति :– अभितः, परितः सर्वतः, उभयतः प्रति, निकषा। 2. तृतीया विभक्ति :– सह, साकं, सार्धं, समं सदृशः अलम् 3. चतुर्थी विभक्ति :– नमः स्वस्ति, स्वाहा, अलं दा, रुच्, क्रुध्, ईर्ष्य। 4. पंचमी विभक्ति :– बहिः विना, ऋते, तरप्। भी, त्रस् (त्रा), प्र–भू (धातु) 5. षष्ठी विभक्ति :– सम, सदृश, तुल्य तमप्। सप्तमी विभिक्ति :– कुशलः निपुणः प्रवीणः। स्निह् अभिलष् धातु। **(ब) वाच्य प्रकरण – परिचय एवं परिवर्तन** **(स) अशुद्धि शोधन – वर्तनी एवं वाक्यगत अशुद्धियों का शुद्धिकरण**	05	15
7.	**उपसर्ग** उपसर्ग परिचय एवं प्रयोग।	03	10
8.	**(अ) अपठित अंश** गद्य या पद्य	04	08
	(ब) पत्र लेखन 1. प्राचार्य को अवकाश, स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र, अंकसूची द्वितीय प्रति के लिए पत्र एवं शुल्क मुक्ति हेतु पत्र। 2. पुस्तक प्राप्ति हेतु प्रकाशक को पत्र। 3. पारिवारिक पत्र।	04	07
9.	**निबंध रचना :– 12 सरल संस्कृत वाक्यों में निबंध लिखना।** (विषय – सदाचार, महापुरुष, पर्व, क्रीड़ा, कवि, मम प्रदेश, पर्यावरण, ग्राम्य जीवन, दिनचर्या संबंधित)	06	15

इकाई क्रमांक	विषय सामग्री	आबंटित अंक	कालखण्ड

ब – पाठ्यपुस्तक (श्यामला)

10. अभ्यर्थना

1. वार्तालापः – संवाद पाठः
2. लोष्ठशृगालयोः मित्रता – लोककथा गद्यपाठः
3. क्रियाकारककुतुहलम् – पद्यपाठः
4. बिलासा – गद्यपाठः
5. यक्षयुधिष्ठिरसंवादः – पद्यपाठः
6. प्राणेभ्योऽपि प्रियः सुह्रद् – संवादगद्यपाठः
7. सुभाषितानि – पद्यपाठः
8. स्वामी आत्मानंदः – गद्यपाठः
9. ओदनं सूक्तम् – पद्यपाठः
10. परिवारः लघु एव वरम् – संवादपाठः
11. विचित्रः साक्षी – गद्यपाठः
12. हेमन्तवर्णनम् – पद्यपाठः
13. यात्रामंगलं प्रति – गद्यपाठः
14. व्याकरण खण्ड

पाठ्यपुस्तक (श्यामला) के पाठों पर आधारित –

1. गद्यांश **06**
2. पद्यांश **06**
3. प्रश्नोत्तर **08**
4. सुभाषित **05**
5. सूक्ति **04**
6. वस्तुनिष्ठ **06**

योग	75	180
प्रायोजना कार्य –	25	24
महायोग	100	204

संस्कृत सामान्य

विषय कोड (512)

प्रायोजना कार्य (दसवीं)

अंक विभाजन

कुल अंक – 25

1. सत्रागत किये गये प्रायोजना कार्य का रिकार्ड –
(खण्ड – अ, ब, स)

कुल अंक – 15 (5+5+5)

(प्रत्येक खंड से एक प्रायोजना अनिवार्य – कोई तीन प्रायोजना)

खण्ड (अ) पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रायोजना कार्य (कोई एक)	– 05
खण्ड (ब) रचनात्मक/सृजनात्मक पर आधारित प्रायोजना कार्य (कोई एक)	– 05
खण्ड (स) व्याकरण पर आधारित प्रायोजना कार्य (कोई एक)	– 05
2. मौखिक परीक्षा (Viva)	– 05
3. लिखित परीक्षा (प्रायोजना पर आधारित)	– 05
योग	– 25 अंक

(01)

खण्ड (अ) पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रायोजना कार्य (कोई एक)

विभिन्न पाठों में आए हुए संधि, समास, धातुरूप , शब्दरू, कृदन्त, तद्धित, वाच्य, अव्यय, कारक आदि का संकलन करते हुए स्पष्ट करना। विभिन्न पदों में प्रयुक्त लिंग, पुरुष, वचन आधारित वर्गीकरण। कठिन शब्दार्थ, पाठ–सार, सुभाषित, सूक्ति लेखन।

खण्ड (ब) रचनात्मक/सृजनात्मक पर आधारित प्रायोजना कार्य (कोई एक)

विभिन्न वस्तुओं के नामों का संकलन जैसे– पुष्प फल, वृक्ष, पशु, पक्षी, वस्त्र, परिधान, दिन, माह, ऋतु, नगर , ग्राम, रिश्ते–नाते, रंग, पात्र, आभूषण, दिनचर्या, अंग, अनाज, ग्रह–नक्षत्र आदि। विविध शब्दरूप , धातुरूप गीत आदि। यात्रा वर्णन , चित्राधारित रचना निबंध रचना आदि। संस्कृत ग्रंथ व ग्रंथकारों का परिचय।

खण्ड (स) व्याकरण पर आधारित प्रायोजना कार्य (कोई एक)

संधि, समास, कृदन्त तद्धित, शब्दरूप , धातुरूप, अव्यय, कारक, उपसर्ग, संख्या, वाच्य आदि का अनुप्रयोग।

(02)

मौखिक कार्य

श्लोक वाचन, गद्यवाचन, समाचार वाचन, वार्तालाप, सस्वर गीत, चित्र अभिव्यक्ति आदि।

(03)

लिखित कार्य (प्रायोजना पर आधारित)

टीपः– उपरोक्त दिये गये उदाहरण सुझाव स्वरूप है। शिक्षक इनके अतिरिक्त पाठ्यक्रम अनुरूप अन्य उदाहरण पर भी प्रोजेक्ट कार्य करवा सकता है।